नईदुनिया

आईएचसी न्यायाधीशों का न्यायिक परिषद को चिट्ठी, आईएसआई पर न्यायपालिका के कामकाज में हस्तक्षेप का आरोप

इस्लामाबाद ।
इस्लामाबाद हाई कोर्ट के छह न्यायाधीशों ने पाकिस्तान की शक्तिशाली खुफिया एजेंसियों द्वारा न्यायपालिका के कामकाज में हस्तक्षेप करने के खिलाफ न्यायिक परिषद (एसजेसी) से मदद की गुहार की है। उन्होंने न्यायिक परिषद से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है।

न्यायिक परिषद से हस्तक्षेप की मांग

हाई कोर्ट के छह न्यायधीशों ने एक चिट्ठी में हस्ताक्षर कर एजेंसियों से न्यायिक मामलों में हस्तक्षेप के खिलाफ न्यायिक परिषद से कार्रवाई की मांग की है। चिट्ठी पर हस्ताक्षर करने वालों न्यायधीशों में जस्टिस मोहसीन अख्तर कयानी, जस्टिस तारिक महमूद जहंगिरी, जस्टिस बाबर सत्तार, जस्टिस सरदार इजाज इशाक खान, जस्टिस अरबाब मुहम्मद ताहिर, और जस्टिस समन रफत इम्तियाज का नाम शामिल है।

इस चिट्ठी के जरिए न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के रुख पर भी ध्यान देने की बात कही गई। एसजेसी हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सर्वोच्च निकाय है।

पत्र में कहा गया, हम एक न्यायाधीश के कर्तव्य के संबंध में सर्वोच्च न्यायिक परिषद (एसजेसी) से मार्गदर्शन लेने के लिए यह पत्र लिख रहे हैं। जज का दायित्व है कि वह खुफिया एजेंसियों के लोगों सहित कार्यपालिका के सदस्यों की ओर से की गई ऐसी कार्रवाइयों को रिपोर्ट करे और उनका जवाब दे, जो उसके काम में हस्तक्षेप करना चाहते हैं। हम इसके लिए दी जाने वाली धमकियों को भी सामने लाना चाहते हैं। साथ ही अगर हमारे सहकर्मियों या अदालतों के सदस्य भी ऐसी घटना का शिकार हो रहे हैं तो इसे संज्ञान में लाना हमारा दायित्व है। खासकर ऐसे लोग जो हाईकोर्ट के अधीन हैं।

जस्टिस सिद्दिकी ने लगाया था खुफिया एजेंसियों पर आरोप यह मांग शीर्ष अदालत द्वारा इस्लामाबाद के पूर्व हाई कोर्ट के जस्टिस अजीज सिद्दिकी को हटाने को अवैध घोषित करने के कुछ दिनों बाद की गई है। बता दें कि सिद्दिकी को 11 अक्तूबर 2018 में बर्खास्त कर दिया गया था। दरअसल एक भाषण के दौरान उन्होंने देश की खुफिया एजेंसी (आईएसआई) पर देश की अदालती कार्यवाही को प्रभावित करने का आरोप लगाया था। चिट्ठी में न्यायधीशों ने जस्टिस सिद्दिकी द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करने के अनुरोध का भी समर्थन किया है।

न्यूज ब्रीफ

पश्तून कार्यकर्ता का दावा: मॉस्को आतंकी हमले के तार पाकिस्तान में हुए धमाकों से जुड़े, बहुत कुछ होने वाला है'

इस्लामाबाद । पश्तून तहफ्फुज मूवमेंट (पीटीएम) के सदस्य फजल-उर-रहमान अफरीदी का कहना है कि न केवल पाकिस्तान बल्कि पूरी दुनिया खतरे में है। दरअसल उन्होंने आरोप लगाया है कि मॉस्को में हुए आतंकी हमले और खैबर पख्तूनख्वा के शांगला जिले में हुए हमले के बीच एक जैसे संबंध प्रतीत हो रहे हैं। पाकिस्तान में आत्मघाती हमला बता दें कि खैबर-पख्तूनख्वा में विस्फोटक से भरे एक वाहन ने एक बस को टक्कर मार दी थी। इस दौरान बस में सवार कम से कम छह पांच नागरिकों की मौत हो गई थी। चीनी नागरिक दासू जलविद्युत परियोजना पर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि शांगला जिले के बिशम इलाके में हुई घटना में कई अन्य घायल हो गए। घटना उस समय हुई, जब इस्लामाबाद से कोहिस्तान जा रही एक बस को सामने से आ रहे एक वाहन ने टक्कर मार दी। पाकिस्तान और मॉस्को में एक जैसा हमला- अफरीदी पश्तून तहफ्फुज मूवमेंट के सदस्य फजल-उर-रहमान अफरीदी का कहना है कि पाकिस्तान और मॉस्कों में हुए आतंकी हमले एक जैसे प्रतीत हो रहे हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान सरकार के ही कुछ लोगों द्वारा प्रशिक्षित आतंकवादियों और आईएसआईएस को साथ लेकर से ऐसी आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। अफरीदी ने कहा कि ऐसा लगता है कि पाकिस्तान की सेना के प्रतिनिधियों ने इस हमले को अंजाम दिया है और इस बार पाकिस्तान चीन के साथ दोहरा खेल खेल रहा है। मॉस्को में क्या हुआ था मॉस्को के पास क्रोकस सिटी हॉल में कॉन्सर्ट के दौरान आतंकवादियों ने लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। आतंकियों ने विस्फोटक से हॉल में धमाका भी किया, जिससे वहां आग लग गई। हमले के बाद विशेष पुलिस बल ने मोर्चा संभाल लिया है। वहीं, आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। आईएस ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। हमले में 60 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

हूती के हमलों से फिलिपिनो चालक दल को बचाने पर राष्ट्रपति ने भारत का जताया आभार

मनीला । फिलीपींस के राष्टपति ने भारत का आभार व्यक्त किया है। दरअसल, इस महीने अदन की खाड़ी में हूती विद्रोहियों द्वारा एक व्यापारिक जहाज के चालक दल को पकड़ लिया गया था। छह मार्च को भारतीय नौसेना की चिकित्सा टीम ने एमवी कॉन्फिडेंस के सभी चालक दल के सदस्यों को बचाया और उन्हें महत्वपूर्ण देखभाल प्रदान की। भारत की तेज और निर्णायक कार्रवाई पर फिलिपिनो राष्टपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर ने अपना आभार प्रकट किया। द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन के दौरान दो फिलिपिनो सहित चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई। हमले में जीवित बचे सभी फिलिपिनो सदस्यों को वापस भेज अपने देश भेज दिया गया। राष्टपति मार्कोस ने कहा कि एमवी टू कॉन्फिडेंस घटना में शामिल फिलिपिनो नाविकों को बचाने के लिए भारत की त्वरित कार्रवाई के लिए मैं भारत सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं। जयशंकर का फिलीपींस दौरा बता दें, सिंगापुर दौरा खत्म कर केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर फिलीपींस पहुंचे हैं। फिलीपींस के विदेश मंत्री एनरिके मनालो के साथ जयशंकर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि भारत अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता को बनाए रखने के लिए फिलीपींस का समर्थन करता है। जयशंकर ने कहा कि मनीला में मनालो के साथ उन्होंने चर्चा की, जो बहुत अच्छी रही। उन्होंने कहा कि मैं इस अवसर पर फिलीपींस की राष्ट्रीय संप्रभुता को बनाए रखने के लिए भारत के समर्थन को दोहराता हूं। हर देश को अपनी संप्रभुता को बनाए रखने और उसे लागू करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने फिलीपींस के राष्टपति बॉन्गबॉन्ग मार्कोस से भी मुलाकात की। उन्होंने भारत की राष्टपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से उन्हें व्यक्तिगत शुभकामनाएं भी दी। राष्टपति मार्कोस के साथ जयशंकर ने द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने इसकी जानकारी दी ।

भारतीय दूतावास ने बाल्टीमोर हादसे पर जताया दुख, हेल्पलाइन जारी ; बाइडन ने चालक दल की सक्रियता को सराहा

वॉशिंगटन ।
अमेरिका में भारतीय दूतावास ने मैरीलैंड राज्य के बाल्टीमोर शहर में हुए दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया। बता दें, एक कंटेनर शिप (मालवाहक जहाज) के टकराने से तीन किलोमीटर लंबा फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज ढह गया। जहाज में चालक दल के सभी 22 मेंबर भारतीय थे। ये सभी सुरक्षित हैं।

यह है पूरा मामला

सिंगापुर के झंडे वाला मालवाहक जहाज डाली श्रीलंका की राजधानी कोलंबो जा रहा था। तभी बाल्टीमोर के फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज से टकरा गया। कुछ ही सेकंड में लगभग पूरा पुल ढह गया। अधिकारियों ने बताया कि पुल ढहकर करीब 50 फीट (15 मीटर) नीचे ठंडे पानी में गिर गया है। हादसा मंगलवार सुबह हुआ है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि जहाज को बिजली की समस्या का सामना करना पड़ा था। वहीं, चालक दल ने सक्रियता दिखाते हुए अलर्ट कॉल दिया था, जिससे पुल की ओर बढ़ते लोगों को रोक लिया गया था।

राष्ट्रपति ने चालक दल की सतर्कता की तारीफ की

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस बात की पुष्टि की है कि टक्कर से पहले जहाज के चालक दल ने चेतावनी जारी कर दी थी, जिससे कई लोगों की जान बचाई जा सकी। उन्होंने कहा, जहाज पर मौजूद कर्मचारियों को जैसे ही महसूस हुआ कि उन्होंने जहाज पर नियंत्रण खो दिया है। उन्होंने तुरंत मैरीलैंड परिवहन विभाग को सतर्क कर दिया। जानकारी मिलते ही स्थानीय अधिकारियों ने पुल पर यातायात बंद कर दिया, जिससे निसंदेह लोगों की जान बच गई।

दूतावास ने जताया शोक

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना को लेकर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, बाल्टीमोर में फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं हैं। हेल्पलाइन की जारी दूतावास ने भारतीय नागरिकों के लिए एक हेल्पलाइन जारी की है। उसका कहना है कि यह हेल्पलाइन उन

लोगों के लिए हैं, जो इस हादसे से प्रभावित हो सकते हैं या सहायता की आवश्यकता हो सकती है। वहीं, दूतावास पोत के चालक दल के संबंध में ब्यौरे का भी पता लगा रहा है।

लापता लोगों में मैक्सिकन भी शामिल

वाशिंगटन में मेक्सिको दूतावास के वाणिज्य दूत के प्रमुख राफेल लावेगा के हवाले से बताया गया है कि पुल के ढहने के बाद लापता होने वालों में मैक्सिको के नागरिक भी शामिल हैं। हालांकि यह नहीं बताया गया कि कितने नागरिक लापता हैं।

कंपनी सिनर्जी मरीन ग्रुप का बयान

श्रीलंका जा रहे इस जहाज का संचालन करने वाली कंपनी सिनर्जी मरीन ग्रुप ने जानकारी दी है कि जहाज का चालक दल पूरी तरह सुरक्षित है। इस जहाज के चालक दल में 22 लोग शामिल हैं जो कि भारतीय हैं। कंपनी की ओर से जारी प्रेस रिलीज़ के मुताबिक, जहाज से किसी तरह का प्रदूषित पदार्थ नहीं निकल रहा है। इस घटना की जांच के लिए क्वालिफाइड इंडिविजुअल इंसीडेंट रिस्पॉन्स सर्विस को शुरू कर दिया है।

बीते 10 वर्षों में 38400 प्रवासियों की डूबने की वजह से गई जान, यूएन रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े

न्यूयॉर्क । संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की तरफ से एक रिपोर्ट जारी की गई है। इस रिपोर्ट के में बताया गया है कि बीते 10 वर्षों में 64,000 प्रवासियों की मृत्यु हुई है। इनमें से करीब 38,400 प्रवासियों की मौत समुद्र में डूबने से हुई है। रिपोर्ट के अनुसार भूमध्य सागर में सबसे ज्यादा 27,000 प्रवासियों की मौतें हुई हैं। खतरनाक भूमध्य सागर में मारे गए 27,000 प्रवासी भूमध्य सागर के रास्ते कई प्रवासी उत्तरी अमेरिका से दक्षिणी यूरोप जाने की कोशिश करते हैं। आईओएम के डेटा विश्लेषक एंड्रिया गार्सिया बोरजा ने बताया कि भूमध्य सागर खतरनाक क्षेत्र है और यहां यात्राएं करना बेहद जोखिम भरा साबित होता है। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तुलना में भूमध्य सागर के आंकड़ों को काफी गहनता से देखा गया है। उनके मुताबिक सहारा रेगिस्तान जैसे क्षेत्रों की निगरानी करना कठिन था क्योंकि वहां का विश्वसनीय डेटा आना मुश्किल था। वर्ष 2023 में प्रवासन मार्गों पर 8,500 लोगों की मौत आधे से अधिक मामलों में, आईओएम प्रवासी का लिंग या उम्र जानने में असमर्थ रहा।

लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में चुनाव के दौरान भारतीय छात्र के खिलाफ नफरती अभियान शुरू

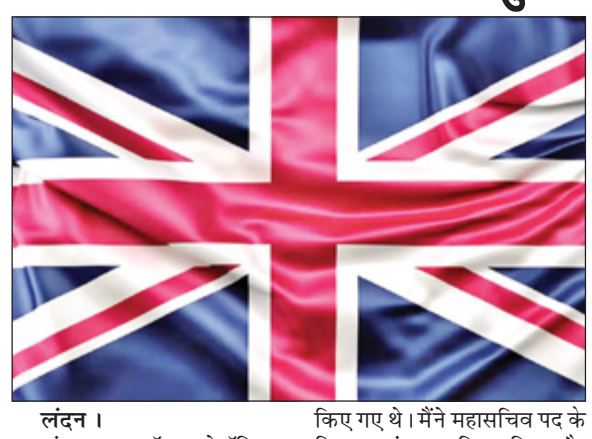

लंदन ।
लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में छात्र संघ चुनाव हो रहे हैं। मैं भी चुनाव में खड़ा हो रहा हूं। वोटिंग से ठीक 12 घंटे पहले बहुत ही सुनियोजित तरीके से मेरे खिलाफ अभियान चलाया गया। मुझे उन्होंने इधर-उधर से कुछ करके भाजपा से जोड़ दिया। मुझे फासीवादी बताया गया। मेरे खिलाफ यहां नफरती अभियान चलाया जा रहा हैज्यह आरोप है सत्यम सुराणा का। सुराणा वही भारतीय छात्र है, जिसने पिछले साल ब्रिटेन में स्थित भारतीय उच्चायोग पर हुए चरमपंथी हमलों को चुनौती देते हुए सड़क से तिरंगा उठाया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सुराणा का जन्म पुणे में हुआ था। सुराणा ने कुछ महीने बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रैक्टिस की और फिर लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एलएलएम के लिए दाखिला ले लिया। इस साल सुराणा का एमएलएम खत्म हो जाएगा।

मेरे पोस्टर फाड़े जा रहे हैं मामले की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि फरवरी और मार्च की शुरुआत में एलएसई चुनाव घोषित किए गए थे। मैंने महासचिव पद के लिए नामांकन दाखिल किया है। 14-15 मार्च को मैंने देखा कि मेरे पोस्टर फाड़े जा रहे हैं। मैंने अधिकारियों से शिकायत की। पोस्टर बदल दिए गए लेकिन थोड़ी देर बाद उन पोस्टर पर मेरे चेहरे पर क्रॉस का निशान बना हुआ था। इसमें लिखा था कि सत्यम के अलावा कोई भी। 17 मार्च की दोपहर एलएसई के सभी ग्रुप्स में एक संदेश था, जिसमें दावा किया गया कि सत्यम भाजपा समर्थक है। वह फासीवादी व्यक्ति है। वह इस्लामोफोबिक है। वह ट्रांसफोबिक है। कट्टरपंथियों ने सोशल मीडिया से मेरे कुछ पोस्टों का भी स्क्रीनशॉट ले लिया, जिसके बुनियाद पर वे मुझे फासीवादी कह रहे हैं। अब जीतने के चांस कम हुए सत्यम ने बताया कि मेरे घोषणा पत्र में कोई भी राजनीतिक मुद्दा नहीं था। मेरे पास सिर्फ परिसर के वास्तविक मुद्दे थे। शुरुआत में मुझे जबरदस्त समर्थन मिला। लेकिन अब इन सभी चीजों से मेरे जीतने के चांस कम हो गए। मैं अपनी पूरी टीम के साथ हर विभाग में गया। मैंने पूरा परिसर घूमा।

भारत ने निभाया वादा, भूटान को पांच अरब डॉलर की मदद भेजी; अब इस परियोजना पर होगा काम

थिम्फू ।
भूटान की मदद के लिए भारत की तरफ से 5 अरब डॉलर की दूसरी किश्त भेजी गई है। इस किश्त की मदद से भूटान में ग्यालसुंग परियोजना से संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास होगा। भूटान में भारत के राजदूत सुधाकर दलेला ने भूटान के विदेश मंत्री ल्योनपो डी.एन. धुंगयेल से मुलाकात कर किश्त सौंपी।

अब तक 10 अरब रुपये की मदद

भूटान में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस किश्त के साथ ही भारत ने भूटान के साथ हुए समझौते के तहत शाही सरकार के लिए कुल दस अरब रुपये जारी कर दिए हैं। इससे पहले 28 जनवरी 2024 को भी भारत ने भूटान के लिए पांच अरब रुपये की किश्त जारी की थी।

भारत भूटान के बीच एमओयू

दरअसल भारत और भूटान के बीच जनवरी 2024 में एक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे। इस एमओयू के अनुसार भारत द्वारा भूटान को 15 अरब रुपये की मदद की जाएगी। यह अतिरिक्त मदद भूटान के ग्यालसंग में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए दी जा रही है। जनवरी 2023 में भी भारत ने डेसुंग फॉर ग्यालसंग कार्यक्रम के लिए दो अरब रुपये का अनुदान दिया था। भूटान में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि भूटान के साथ साझेदारी करना भारत के लिए सौभाग्य की बात है। इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य भूटान के युवाओं की क्षमताओं को विकसित करना और उन्हें राष्ट्र-निर्माण के लिए सक्षम बनाना है।

पीएम मोदी ने किया था भूटान दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 और 23 मार्च को भूटान की यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने थिम्पू को विकास कार्यों में भारत के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और उसे अगले पांच साल में 10,000 करोड़ रुपये की सहायता मुहैया करने का संकल्प लिया। पीएम मोदी ने भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे के साथ थिम्पू में भारत के सहयोग से निर्मित महिलाओं और बच्चों के लिए एक आधुनिक अस्पताल का उद्घाटन भी किया था।

होली के रंग में रंगा अमेरिका; न्यूयॉर्क में हजारों लोगों ने मनाया त्योहार, भारतीय पकवानों का लिया आनंद

न्यूयॉर्क ।
होली का रंग देश ही नहीं दुनिया के कई हिस्सों में देखने को मिला। होली के दिन लोग एक दूसरे पर रंग लगाते हैं और सारे गिले-शिकवे भूलकर एक दूसरे के गले मिलते हैं। हर कोई त्योहार के जश्न में डूबा दिखता है। ऐसा ही कुछ न्यूयॉर्क की साउथ स्ट्रीट सीपोर्ट पर देखने को मिला। यहां सात हजार से अधिक भारतीय और अमेरिकी लोगों ने साथ मिलकर रंगों का त्योहार मनाया।

न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने भारत की सांस्कृतिक और पाक विविधता पर प्रकाश डालते हुए एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल का प्रदर्शन करके जश्न को खास बनाया। साउथ स्ट्रीट सीपोर्ट में उत्साह का माहौल था। यहां लोग एक दूसरे से गले मिले दिखे। वहीं रंगों से एक-दूसरे को सराबोर किया और बॉलीवुड संगीत और ढोल की धुन पर जमकर नृत्य भी किया।

भारत के महावाणिज्य दूतावास ने भारतीय व्यंजनों की भी व्यवस्था कराई थी। सबसे ज्यादा यहा जो पसंद किया जा रहा था वो थी भारतीय मानसून मालाबार कॉफी। हर कोई इस कॉफी का आनंद ले रहा था। इसके अलावा, लोगों ने बाजरा कुकीज और चॉकलेट का मजा लिया। बाइडन ने दी बधाई न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि यहां 7000 से अधिक भारतीयों और अमेरिकियों ने न्यूयॉर्क में साउथ स्ट्रीट सीपोर्ट पर होली मनाई। वहीं राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी होली की शुभकामनाएं दीं। बाइडन ने सोशल मीडिया एक्स पर बधाई संदेश में कहा, दुनिया भर में लाखों लोग गुलाल और जीवंत रंगों के साथ वसंत के आगमन और होली का जश्न मना रहे हैं। जिल बाइडन और मैं हर्षोल्लास के साथ रंगों का त्योहार मनाने वाले सभी लोगों को शुभकामनाएं देते हैं। एंटनी ब्लिंकन ने भी होली की बधाई दी वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी होली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिका और दुनिया भर में होली का जश्न मनाने वालों को शुभकामनाएं। रंगों का त्योहार इस मौसम में आपके लिए खुशियां और स्नेह लेकर आए।

चीन ने की फिदायीन हमले की जांच और दोषियों को सजा की मांग, धमाके में पांच चीनी नागरिकों की गई थी जान

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के शांगला में हुए आत्मघाती हमले में पांच चीनी नागरिकों की मौत को लेकर चीन ने गहन जांच की मांग की है। मलकंद के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) का हवाला देते हुए बताया कि एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरे अपने वाहन से चीनी नागरिकों से भरी कार में टक्कर मार दी। दरअसल, इस हमले में मारे गए चीनी नागरिक दासू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े थे। मृतकों में एक महिला इंजीनियर भी शामिल है। बाशिम पुलिस थाना क्षेत्र के प्रमुख बख्त जहीर ने बताया कि विस्फोटकों से लदा वाहन चीनी इंजीनियरों की बस में सामने से टकराया। वे दासू स्थित अपने शिविर में जा रहे थे, जहां बांध बनाने का काम चल रहा है। चीनी दूतावास ने हमले की जांच और अपराधियों के लिए कड़ी सजा की मांग की है। चीनी दूतावास और वाणिज्य दूतावास ने तुरंत आपातकालीन कार्य शुरू कर दिया है। उन्होंने मांग की है कि पाकिस्तानी हमले की गहन जांच करे,

अपराधियों को कड़ी सजा दे और चीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए व्यावहारिक और प्रभावी उपाय करे।

पहले भी हो चुके हैं हमले

वहीं, क्षेत्रीय पुलिस प्रमुख मोहम्मद अली गंडापुर ने बताया कि सीपैक के तहत दासू एक प्रमुख परियोजना है। इस क्षेत्र में पहले भी हमले हो चुके हैं। 2021 में एक बस में हुए विस्फोट में नौ चीनी नागरिकों सहित 13 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी घटना के बाद तुरंत चीनी दूतावास पहुंचे। पाकिस्तान स्थित चीनी दूतावास ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पाकिस्तान से मांग की है कि हमले की गहन जांच की जाए और दोषियों को कड़ी सजा हो।

चीन-पाक आर्थिक गलियारे का विरोध

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ग्वादर पोर्ट व चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपैक) के विरोध में है। बलूचिस्तान एक कबीलाई क्षेत्र था। 1947 में जब पाकिस्तान बना, तो जबरन इस क्षेत्र को पाकिस्तान में शामिल कर लिया गया। तब से लगातार बलोच लोग आजाद होने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन, पाकिस्तानी सेना उनका दमन करती रही है। इस दमन के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह के लिए बीएलए का गठन किया गया है।

पाकिस्तान के नौसेना अड्डे पर हमला, छह मरे

बलूचिस्तान प्रांत में सशस्त्र बलोच लड़ाकों ने एक पाकिस्तानी नौसेना हवाई स्टेशन पर हमला कर दिया। इसके बाद एयर बेस में घुसने की कोशिश की। पाकिस्तान ने हमले को नाकाम करने छह बलोच लड़ाके मारने का दावा किया है। यह हमला तुरबत जिले में हुआ। मकरान के आयुक्त सईद अहमद उमरानी ने कहा कि सैनिकों ने पीएनएस सिद्दीकी नौसेना हवाई अड्डे पर आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया।